वस्त्र मंत्रालय
MINISTRY OF
TEXTILES

उद्घोषणा

राष्ट्रीय राजभाषा रेशम तकनीकी सेमिनार

रेशम उद्योग की उन्नति में अनुसंधान, प्रशिक्षण एवं प्रसार का योगदान

24 अगस्त 2024

WILD SILKS OF INDIA

आयोजक

डॉ.एन.बी.चौधरी, निदेशक

के.रे.बो. , केन्द्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान,

केन्द्रीय रेशम बोर्ड, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार,

पोस्ट-पिस्का नगड़ी, राँची-835303 (झारखण्ड), भारत

ई-मेल : ctrtihindi@gmail.com ctrtiran.csb@nic.in

पृष्ठभूमि :

भारतीय रेशम उद्योग मुख्यतः ग्रामीण आधारित एवं कम निवेश के साथ अधिक आय की संभावनाओं वाला उद्योग है । यह सिर्फ परम्परा ही नहीं अपितु समाज के कमजोर वर्गों, भूमिहीनों विशेषकर महिलाओं के जीवन का एक मार्ग है । असीम रोजगार समस्याओं के साथ ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी क्षेत्रों में लगभग 90 लाख व्यक्तियों को प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से यह रोजगार प्रदान करता है । भारत एकमात्र देश है जहाँ सभी पाँच प्रकार के व्यावसायिक रेशम जैसे शहतूत, उष्णकटिबंधीय तसर, शीतोष्ण तसर, एरी एवं मूगा का उत्पादन होता है । पिछले कुछ दशकों में कच्चा रेशम के उत्पादन भारतीय रेशम उद्योग ने 23060 मी.ट. (2010-11) से लगभग 38913 मी.ट. (2023-24) की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है ।

संस्थान के बारे में :

केन्द्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के अधीनस्थ केन्द्रीय रेशम बोर्ड का एक प्रमुख संस्थान है । यह राष्ट्रीष्य स्तर का एकमात्र संस्थान है जिसकी स्थापना 1964 में की गई थी एवं 60 वर्षों से संस्थान राष्ट्र को लाभदायक सेवा प्रदान कर रहा है । के.त.अ. व प्र.सं. ने भारत भर में तसर संवर्धन के सभी पहलुओं पर अनुसंधान विकास सहयोग प्रदान किया है । संस्थान में विभिन्न फंडिंग एजेंसी जैसे डीबीटी, सीएसबी, डीएसटी इत्यादि की कई अनुसंधान परियोजनाएँ चल रही हैं जिसमें भारत के प्रमुख संस्थान, बी.आई.टी, मेसरा- रांची, बी. हि.वि. बनारस, बी.कृ.वी. रांची ल.वि, लखनऊ, हिंडाल्को , रांची, सिध्कोफेद, रांची इत्यादि के सहयोग है । के.त.अ. व प्र.सं., राँची भी भारत के 17 राज्यों में तसर संवर्धन के क्षेत्र में विभिन्न राष्ट्रीय कार्यक्रमों यथा-सीडीपी, टीएसपी, आईवीएलपी सहित अनुसंधान व विकास सहयोग में समन्वय कर रहा है । के.त.अ. व प्र.सं., राँची देश के उत्तर-पूर्वी एवं उत्तर-पश्चिम राज्यों के लिए विभिन्न विशेष कार्यक्रमों की भी पहल कर रहा है जिसमें कोसा पूर्व एवं कोसोत्तर प्रक्रिया एवं मूल्य वृद्धि के साथ-साथ तसर रेशमकीट आनुवंशिकी संसाधनों के संरक्षण से सम्बन्धित अनुसंधान गतिविधियाँ शामिल हैं ।

सेमिनार का उद्देश्य :

रेशम उद्योग की सतत् वृद्धि एवं विकास तथा चुनौतियों एवं भावी रणनीति हेतु प्रभावी योजना एवं सशक्त परिचर्चा के साथ सामयिक अनुसंधान की आवश्यकता है । भविष्य में रेशम कृषकों की आय में वृद्धि करना भी एक मुख्य उद्देश्य है । वैज्ञानिकों के बीच प्रौद्योगिकी प्रदर्शन, प्रचार-प्रसार एवं चर्चा की नितांत आवश्यकता है । उपर्युक्त बिन्दुओं के परिप्रेक्ष्य में रेशम उद्योग की सतत् वृद्धि एवं विकास पर राष्ट्रीय राजभाषा रेशम तकनीकी सेमिनार दिनांक 24 अगस्त, 2024 को आयोजित किया जा रहा है ताकि इस क्षेत्र से जुड़े अनुसंधानकर्ताओं एवं लाभार्थियों के बीच महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की जा सके । यह सेमिनार रेशम संवर्धन के आगामी अनुसंधान व विकास कार्यक्रमों की भावी रणनीति बनाने में काफी उपयोगी होगा । साथ ही सेमिनार अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में राजभाषा को लोकप्रिय बनाने में भी सहायक होगा । राजभाषा के माध्यम से इस सेमिनार का लाभ देश के अधिकाधिक रेशम उद्योग के हित लाभार्थियों को मिल सकेगा । अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में राजभाषा को माध्यम बनाकर प्रचार-प्रसार करना संस्थान का प्रमुख उद्देश्य है । साथ ही वैज्ञानिक अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में राजभाषा को और अधिक बढ़ावा मिलेगा ।

सेमिनार के विषय :

1. समग्र तसर रेशम संवर्धन ।
2. समग्र वन्य रेशम संवर्धन (मूगा एवं एरी) ।
3. समग्र शहतूती रेशम संवर्धन ।
4. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में राजभाषा का प्रयोग।
5. उत्पादन विविधता एवं उप-उत्पाद उपयोगिता ।

शोध पत्रों का आमंत्रण :

समग्र रेशम उत्पादन अनुसंधान से सम्बन्धित विषयों पर केन्द्रीय रेशम बोर्ड के वैज्ञानिकों एवं इस उद्योग से जुड़े विषय विशेषज्ञों से हिन्दी में मौलिक शोध-पत्र आमंत्रित किए जाते हैं ।

मुख्य तिथियाँ

ई-मेल द्वारा सारांश प्रस्तुतिकरण : 20 जुलाई, 2024 (सारांश यूनिकोड फॉण्ट में ही)

पूर्ण शोध-पत्र प्रस्तुतिकरण : 31 जुलाई, 2024 (पूर्ण यूनिकोड फॉण्ट में ही)

सेमिनार तिथि : 24 अगस्त , 2024

नोट :

1. शोध सारांश लगभग 300 शब्द तथा पूर्ण शोध-पत्र चार पृष्ठों से अधिक न हो तथा मात्र सुसंगत फोटोग्राफ एवं तालिकाएं दी जाएं। शोध-पत्र, सारांश/पूर्ण शोध-पत्र यूनिकोड मंगल फॉण्ट फॉण्ट में टंकित होने चाहिए।

2. शोध-पत्र में प्रस्तावना एवं विधि, परिणाम एवं विवेचना, संदर्भ इत्यादि समाहित हों।

3.प्रतिभागी प्रस्तुति हेतु मौखिक एवं पोस्टर स्वयं तैयार कर प्रस्तुत करेंगे।

सेमिनार स्थल :

केन्द्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, राँची शहर से 18 कि.मी. दक्षिण-पश्चिम राँची-गुमला उच्च पथ पर पिस्का नगड़ी, राँची में स्थित के.त.अ. व प्र.सं., राँची परिसर में एक-दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया जायेगा। राँची शहर से स्थल तक जाने के लिए पब्लिक परिवहन सुविधा उपलब्ध है। राँची देश के अधिकांश शहरों से सड़क, हवाई एवं रेल मार्ग से अच्छी तरह से जुड़ा है।

राँची के बारे में :

राँची वर्तमान में झारखण्ड की राजधानी है जो समुद्र तल से 654 मी. ऊँचाई पर भारत के पूर्वी भाग में स्थित है तथा कोलकाता से लगभग 310 कि.मी. दूर है। राँची में समृद्ध प्राकृतिक सौन्दर्य, प्राकृतिक जल-प्रपात, पठारीय ढलान विद्यमान है। यहाँ सामान्यतः मौसम ठंडा रहता है।

संरक्षक :

श्री पी. शिवकुमार, भा.व.से.,
सदस्य सचिव, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, वस्त्र मंत्रालय,
भारत सरकार, बेंगलूर-560068 (कनार्टक)

आयोजक :

डॉ.एन.बी.चौधरी, निदेशक,
के. र. बो. केन्द्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान,
केन्द्रीय रेशम बोर्ड,
वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार, पोस्ट-पिस्का नगड़ी,
राँची-835303 (झारखण्ड) , भारत
मोबाइल नं.9449994014
ई-मेल : ctrtihindi@gmail.com, ctrtiran.csb@nic.in

राष्ट्रीय सलाहकार समिति

- **डॉ.मंथिरा मूर्ति, निदेशक (तक.),** केन्द्रीय रेशम बोर्ड, बेंगलूर।
- केन्द्रीय रेशम बोर्ड के सभी शोध संस्थानों एवं बीज संगठनों के निदेशकगण।

आयोजक मंडल :

1. डॉ. जय प्रकाश पाण्डेय, वै.-डी, के.त.अ. व प्र.सं., नगड़ी, राँची।
2. डॉ.जितेन्द्र सिंह, वै.-डी, के.त.अ. व प्र.सं., नगड़ी, राँची।
3. डॉ.दिव्या राजावत, वै.-बी, के.त.अ. व प्र.सं., नगड़ी, राँची।

सह आयोजक :

1. श्रीमती सुस्मिता दास, वै.-डी, के.त.अ. व प्र.सं., नगड़ी, राँची।
2. डॉ. हरेन्द्र यादव, वै.-सी , के.त.अ. व प्र.सं., नगड़ी, राँची।
3. डॉ. अपर्णा के , वै.-सी , के.त.अ. व प्र.सं., नगड़ी, राँची।
4. श्री आशु कुमार, वै.-बी, के.त.अ. व प्र.सं., नगड़ी, राँची।

सम्पर्क सूत्र :

1. डॉ.जय प्रकाश पाण्डेय, वैज्ञानिक-डी, मो. नं.9431168530
2. सुश्री अंजली शर्मा, क. अनु. (हिन्दी), मो. नं. 9899130190
3. श्री सिकन्दर रविदास,आशुलिपिक ग्रेड-I, मो. नं. 9631209447

राष्ट्रीय राजभाषा रेशम तकनीकी सेमिनार

'रेशम उद्योग की उन्नति में अनुसंधान, प्रशिक्षण एवं प्रसार का योगदान'

24 अगस्त 2024

पंजीयन फार्म

नाम (स्पष्ट अक्षरों में) : .....
पदनाम : .....
संस्थान/कार्यालय :
.....
पत्राचार का पता : .....
.....
दूरभाष सं.(एसटीडी कोड सहित) कार्यालय :
.....
आवास : .....
मो.नं. ..... फैक्स : .....
ई-मेल: .....
शोध-पत्र का शीर्षक.....

यात्रा कार्यक्रम

यात्रा की रीति - ट्रेन सं. एवं नाम
.....
विमान सं. .....
स्थान जहाँ से आ रहे हैं :.....
आगमन की तारीख एवं समय : .....
प्रस्थान की तारीख एवं समय : .....

ठहरने की व्यवस्था :

राँची शहर में बहुत सारे अच्छे स्टार रेटिंग वाले एवं संतुलित दरों पर होटल की सुविधा उपलबध हैं जिसकी व्यवस्था प्रतिभागी को स्वयं करनी होगी तथापि प्रतिभागी की पात्रता के अनुसार होटल व्यवस्था करने में संस्थान सहयोग कर सकता है।

स्थान :
दिनांक : प्रतिभागी के हस्ताक्षर

(इस प्रपत्र की टंकित/जेरोक्स प्रति उपयोग में लायी जा सकती है)।